श्रीकालभैरवाष्टकं

{॥ श्रीकालभैरवाष्टकं ॥}

देवराजसेव्यमानपावनांघ्रिपङ्कजं

व्यालयज्ञसूत्रमिन्दुशेखरं कृपाकरम् । var बिन्दु

नारदादियोगिवृन्दवन्दितं दिगंबरं

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ १॥

भानुकोटिभास्वरं भवाब्धितारकं परं

नीलकण्ठमीप्सितार्थदायकं त्रिलोचनम् ।

कालकालमंबुजाक्षमक्षशूलमक्षरं

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ २॥

शूलटंकपाशदण्डपाणिमादिकारणं

श्यामकायमादिदेवमक्षरं निरामयम् ।

भीमविक्रमं प्रभुं विचित्रताण्डवप्रियं

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ ३॥

भुक्तिमुक्तिदायकं प्रशस्तचारुविग्रहं

भक्तवत्सलं स्थितं समस्तलोकविग्रहम् । var स्थिरम्

विनिक्वणन्मनोज्ञहेमकिङ्किणीलसत्कटिं var निक्वणन्

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ ४॥

धर्मसेतुपालकं त्वधर्ममार्गनाशनं var नाशकं

कर्मपाशमोचकं सुशर्मधायकं विभुम् । var दायकं

स्वर्णवर्णशेषपाशशोभितांगमण्डलं var केशपाश, निर्मलं

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ ५॥

रत्नपादुकाप्रभाभिरामपादयुग्मकं

नित्यमद्वितीयमिष्टदैवतं निरंजनम् ।

मृत्युदर्पनाशनं करालदंष्ट्रमोक्षणं var भूषणं

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ ६॥

अट्टहासभिन्नपद्मजाण्डकोशसंततिं

दृष्टिपातनष्टपापजालमुग्रशासनम् ।

अष्टसिद्धिदायकं कपालमालिकाधरं

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ ७॥

भूतसंघनायकं विशालकीर्तिदायकं

काशिवासलोकपुण्यपापशोधकं विभुम् । var काशिवासि

नीतिमार्गकोविदं पुरातनं जगत्पतिं

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ ८॥

॥ फल श्रुति ॥

कालभैरवाष्टकं पठंति ये मनोहरं

ज्ञानमुक्तिसाधनं विचित्रपुण्यवर्धनम् ।

शोकमोहदैन्यलोभकोपतापनाशनं var लोभदैन्य

प्रयान्ति कालभैरवांघ्रिसन्निधिं नरा ध्रुवम् ॥

var ते प्रयान्ति कालभैरवांघ्रिसन्निधिं ध्रुवम् ॥

॥ इति श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यस्य

श्रीगोविन्दभगवत्पूज्यपादशिष्यस्य

श्रीमच्छङ्करभगवतः कृतौ

श्री कालभैरवाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Encoded by Narayanaswami Pallasena at swami@math.mun.ca

Proofread by Narayanaswami Pallasena and Sunder Hattangadi

sunderh@hotmail.com

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated त्oday

http://sanskritdocuments.org

% File name : kaalabhairava.itx
% Category : aShTaka
% Location : doc_shiva
% Author : Shankaracharya
% Language : Sanskrit
% Subject : religion
% Transliterated by : Narayanaswami Pallasena at swami at math.mun.ca
% Proofread by : Narayanaswami Pallasena, Sunder Hattangadi
% Latest update : August 10, 2002, August 26, 2012
% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
% Site access : http://sanskritdocuments.org
%
% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study
% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of
% any website or individuals or for commercial purpose without permission.
% Please help to maintain respect for volunteer spirit.
%

We acknowledge well-meaning volunteers for Sanskritdocuments.org and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.
Please check their sites later for improved versions of the texts.
This file should strictly be kept for personal use.
PDF file is generated [October 12, 2015] at Stotram Website